प्रदेश में इस साल सबसे तेज रहेगी छोटे उद्योगों की रफ्तार

अमर उजाला ब्यूरो

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 53 फीसदी ज्यादा लोन लेने का आकलन

लखनऊ। चालू वित्त वर्ष में एमएसएमई सेक्टर की रफ्तार यूपी में सबसे तेज होगी। नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड डेवलपमेंट (नाबार्ड) के मुताबिक इस वित्त वर्ष में लोन लेने की सबसे तेज ग्रोथ छोटी इकाइयों की होगी। पिछले वर्ष की तुलना में छोटे उद्यमी करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये का लोन अधिक लेंगे, जो करीब 53 फीसदी है।

नाबार्ड के मुताबिक एमएसएमई क्षेत्र में पारंपरिक क्लस्टरों की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। देश में कुल एमएसएमई का 14 फीसदी यूपी में है। यहां करीब 96 लाख इकाइयां एमएसएमई सेक्टर में हैं जिनमें से 89 लाख सूक्ष्म उद्योग (माइक्रो) हैं और 40 हजार स्माल सेक्टर की हैं। प्रोत्साहन योजनाओं का सबसे ज्यादा असर महिलाओं और अंतिम छोर के लोगों पर पड़ा है। करीब डेढ़ करोड़ लोगों को रोजगार एमएसएमई सेक्टर दे रहा है।

इसमें सबसे ज्यादा योगदान लेदर, हस्तशिल्प, हथकरघा, बुनाई, कढ़ाई, कालीन सेक्टरों का है। आईटी, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डिजिटल मार्केटिंग में भी एमएसएमई सेक्टर ने तेज ग्रोथ हासिल की है। नाबार्ड के मुताबिक हथकरघा का कायाकल्प सबसे तेज यूपी में हो रहा है। फैशनवियर, लिनेन बेड, फ्लोर टेक्सटाइल में भी यूपी के कारीगरों का दबदबा बढ़ा है।

तकनीक से जुड़ने का असर है कि अब कुशल कारीगर भी उद्यमी बन रहे हैं। इसीलिए इस वित्त वर्ष में एमएसएमई सेक्टर द्वारा लोन की ग्रोथ में जबर्दस्त तेजी का आंकलन नाबार्ड ने किया है। इस वित्त वर्ष में 4.45 लाख करोड़ लोन छोटे उद्यमियों द्वारा लेने की संभावना है जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.91 लाख करोड़ रुपये से करीब 53 फीसदी ज्यादा है।

ये ग्रोथ देश में सबसे तेज होने की संभावना है। नाबार्ड के मुताबिक सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान योजना छोटे उद्यमियों की संख्या को तेज रफ्तार देगी।